आर्यसमाज आन्दोलन का क्रान्तिकारी प्रभाव–एक विश्लेषण

डॉ0 अरविन्द कुमार यादव

आन्दोलन को आरम्भ करके एक महत्वपूर्ण क्रान्तिकारी कदम उठाया। जो भी व्यक्ति ईसाई या इस्लाम धर्म को छोड़कर हिन्दू धर्म को स्वीकार करना चाहता था, आर्यसमाज ने उसकी शुद्धि करके उसे हिन्दू धर्म मे सम्मिलित करना प्रारम्भ किया। शुद्धि आन्दोलन का महत्व इस बात से स्पष्ट है कि आर्यसमाज ने लाखों व्यक्तियों को हिन्दू धर्म में सम्मिलित करने में सफलता पायी। हिन्दू धर्म निरन्तर अपने सदस्यों की केवल उसकी नादानी, भोलेपन या निर्धनता के कारण खोता जा रहा था। आर्य समाज ने शुद्धि आन्दोलन द्वारा ऐसे व्यक्तियों के लिए हिन्दू धर्म का द्वारा खोल दिया और इस प्रकार हिन्दू धर्म का दुर्बल होने से बचाया।